RNI NO. - CHHHIN/2011/38292

13 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के
अब 14 वें वर्ष की ओर
पाठकों/दर्शकों का असीम स्नेह

Bharatsamman.com Bharat samman Bharat Samman

हो जाओ सावधान

वर्ष-14 अंक-29 — अम्बिकापुर, गुरूवार, 09 मई 2024 — कुल पृष्ठ-4 मूल्य-1.00 रू.

राहुल की पीएम को चुनौती: अडाणी, अंबानी ने अगर टेम्पो से पैसा भेजा तो इसकी ईडी, सीबीआई से जांच कराएं

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती दी कि वह इस बात की जांच सीबीआई या ईडी से कराएं कि क्या उद्योगपति अडाणी और अंबानी ने उनकी पार्टी को ''टेम्पो से पैसा भेजा'' है.

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की उस टिप्पणी पर पलटवार किया, जिसमें मोदी ने एक चुनावी रैली में कांग्रेस नेता पर हमला करते हुए कहा था कि उन्होंने (राहुल) अपने हमलों में अडाणी और अंबानी का नाम लेना क्यों बंद कर दिया है और क्या उन्हें इसके बदले में इन उद्योगपतियों से पैसा मिला है.

प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए गांधी ने एक वीडियो संदेश में पूछा कि क्या मोदी उद्योगपतियों द्वारा भेजे जा रहे पैसों के बारे में अपने ''व्यक्तिगत अनुभव'' के आधार पर बोल रहे हैं.

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने दो उद्योगपतियों को जितने पैसे दिए हैं, कांग्रेस पार्टी विभिन्न योजनाओं के जरिए भारत की जनता को उतना पैसा देगी, जिसका पार्टी ने वादा किया है.''उन्होंने दावा किया, ''देश जानता है कि भाजपा के भ्रष्टाचार के टेम्पो का 'ड्राइवर' और 'खलासी' कौन है.''गांधी ने वीडियो संदेश में कहा, ''मोदी जी, क्या आप थोड़ा डरे हुए हैं? आम तौर पर आप बंद कमरे में अडाणी और अंबानी के बारे में बात करते हैं, लेकिन पहली बार आपने सार्वजनिक रूप से अडाणी और अंबानी के बारे में बात की है.''उन्होंने कहा, ''तो आप ये भी

जानते हैं कि वे टेम्पो में पैसे देते हैं। क्या यह आपका व्यक्तिगत अनुभव है?''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''एक काम करिये – सीबीआई (केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो), ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) को उनके पास भेजिये और पूरी जांच करिये.''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को आरोप लगाया कि पिछले पांच सालों से सुबह उठते ही 'अंबानी और अडाणी के नाम की माला जपने वाले कांग्रेस के शहजादे' ने उनसे 'कितना माल उठाया' है जो लोकसभा चुनाव घोषित होते ही उन्होंने उन्हें 'गाली देना' बंद कर दिया. उन्होंने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल का नाम लिए बगैर 'दाल में कुछ काला' होने की आशंका जताई.हैदराबाद से करीब 150 किलोमीटर दूर वेमुलावाड़ा में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने यह दावा भी किया कि देश में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के बाद कांग्रेस और उसके 'इंडी' गठबंधन के घटक दलों का तीसरा 'फ्यूज' उड़ गया है. उन्होंने कहा कि मतदान के चार चरण शेष हैं और जनता के आशीर्वाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) जीत की ओर बढ़ रहा है.मोदी ने कहा, ''आपने देखा होगा.कि कांग्रेस के शहजादे (राहुल गांधी की ओर इशारा करते हुए) पिछले पांच साल से सुबह उठते ही माला जपना शुरु करते थे... पांच साल से एक ही माला जपते थे. पांच उद्योगपति... फिर धीरे-धीरे कहने लगे... अंबानी, अडाणी... पांच साल से... लेकिन जब से चुनाव घोषित हुआ है इन्होंने अंबानी अडाणी को गाली देना बंद कर दिया.''

आईएएस चंदन कुमार को दिया गया आयुक्त चिकित्सा शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के विशेष सचिव आईएएस चंदन कुमार को आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. बता दें कि भारत सरकार ने आईएएस जनक प्रसाद पाठक आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा की ड्यूटी उत्तर प्रदेश में 5 मई 2024 से 4 जून 2024 तक लोकसभा चुनाव के मद्देनजर लगाई है. जिसके चलते राज्य शासन ने आईएएस चंदन कुमार को यह जिम्मेदारी सौंपी है।

केजरीवाल की अंतरिम रिहाई पर सुप्रीम कोर्ट कल सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट शराब घोटाले में जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका पर शुक्रवार को फैसला सुना सकता है। बुधवार को जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने खुली अदालत में कहा कि वह सीएम केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने के सवाल पर 10 मई को अपना फैसला सुनाएगी। इससे पहले शीर्ष अदालत ने संकेत दिया था कि वह मौजूदा आम चुनाव को देखते हुए आप नेता को अंतरिम जमानत देने पर विचार कर सकती है। इसमें कहा गया कि यह एक असाधारण स्थिति है और सीएम केजरीवाल आदतन अपराधी नहीं हैं। जांच एजेंसी ने अंतरिम राहत देने का विरोध करते हुए कहा था कि यह एक गलत मिसाल कायम करेगा और राजनेताओं के पास सामान्य नागरिकों की तुलना में कोई विशेष अधिकार नहीं है। यह याचिका दिल्ली हाई कोर्ट के 10 अप्रैल के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज हो गई थी। सीएम केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। तब से वो हिरासत में हैं। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 20 मई तक बढ़ा दी थी।

जग्गी हत्याकांड: जमानत लेने रायपुर कोर्ट में पेश हुए फिरोज सिद्दीकी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चर्चित जग्गी हत्याकांड मामले में हाईकोर्ट से दोषी ठहराए गए फिरोज सिद्दीकी को बड़ी राहत मिली है. सुप्रीम कोर्ट के आर्डर पर उन्हें रायपुर कोर्ट लाया गया, जहां उन्होंने दो बॉन्ड और दो जमानतदार प्रस्तुत किया। दरअसल फ़िरोज़ सिद्दीकी ने सुप्रीम कोर्ट में जग्गी हत्याकांड में सजा के खिलाफ स्रक्क याचिका दायर की थी, जिस पर उन्हें जमानत का लाभ देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दो जमानतदारों के साथ जिला अदालत से जमानत लेने की अनुमति दी. स्रक्क याचिका में सिद्दीकी ने खुद को बेगुनाह और निर्दोष बताया था।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच के खिलाफ बंगाल सरकार की याचिका की योग्यता पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार की उस याचिका की योग्यता पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया जिसमें राज्य सरकार की अनुमति के बिना केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के चुनाव बाद हिंसा के मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू करने को चुनौती दी गई है।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत दायर बंगाल सरकार की याचिका की योग्यता पर केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों की सुनवाई पूरी की।

पश्चिम बंगाल सरकार ने अपनी याचिका में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम 1946 का हवाला दिया और कहा कि केंद्रीय एजेंसी ने जांच शुरू करने और एफआईआर दर्ज करने से पहले राज्य सरकार की अनुमति नहीं ली है, जो इस कानून के तहत जरूरी है। दूसरी तरफ, केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत के समक्ष तर्क दिया कि राज्य सरकार किसी भी मामले में सीबीआई जांच की अनुमति से इनकार करने के लिए निर्देश जारी नहीं कर सकती। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया है कि राज्य सरकार हर मामले के लिए अलग-अलग अनुमति दे सकती है या अनुमति देने से इनकार कर सकती है, लेकिन उसे इसके लिए ठोस एवं उचित कारण भी बताना होगा। सीबीआई ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव बाद हिंसा के मामलों में कई एफआईआर दर्ज की हैं। शीर्ष अदालत ने सितंबर 2021 में नोटिस जारी किया था। पश्चिम बंगाल सरकार ने कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर पर शुरू जांच पर रोक लगाने की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि तृणमूल कांग्रेस सरकार ने सीबीआई को दी गई आम सहमति वापस ले ली थी और इसलिए केंद्रीय एजेंसी द्वारा दर्ज एफआईआर पर आगे कार्रवाई नहीं की जा सकती।

आमजन, गरीब-मज़लूमों पर होने वाले अत्याचार के विरुद्ध क्रांतिकारी पत्रकारिता का नाम है भारत सम्मान, जब शासन-सत्ता में बैठे ऐसे लोग जो पद-पावर के नशे में चूर होकर करते हैं अपने कर्तव्यपालन में चूक तो भारत सम्मान करता है उन्हें दुरुस्त...

2011 से भारत सम्मान आगे बढ़ रहा है और मिसाल क़ायम कर रहा है ईमानदार पत्रकारिता की..

भारत सम्मान दैनिक समाचार पत्र के साथ-साथ वेबसाईट - www.bharatsamman.com, फेसबुक पेज - Bharat Samman व यू-ट्यूब - Bharat Samman News के माध्यम से जनहित के खबरों को प्राथमिकता देते हैं। हमारा दावा है यदि आप पर ज़ुल्म हुआ है, आप न्याय के लिए कर रहे हैं संघर्ष तो केवल एक ही नाम आपको याद होना चाहिए...

भारत सम्मान

इसी क्रांतिकारी मुहिम से निम्न जगहों पर जुड़ने के लिए सम्पर्क करें

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तर प्रदेश, उतराखण्ड, बिहार, बंगाल व देश के सभी राज्यों में ब्यूरो व संवाददाता बनने संपर्क कर सकते हैं।

इन पदों में होंगे नियुक्त...

1 - राज्य ब्यूरो प्रमुख
2 - राज्य अपराध ब्यूरो प्रमुख
3 - जिला ब्यूरो प्रमुख
4 - जिला अपराध ब्यूरो प्रमुख
5 - तहसील संवाददाता
6 - तहसील अपराध संवाददाता

अपना फोटो लगा बायोडाटा हमारी ई-मेल आईडी bharatsammannews@gmail.com या व्हाट्सएप No. 09303890212 पर भेजे।

नोट

1. केवल ईमानदार लोग ही संपर्क करें, पत्रकारिता के नाम पर वसूली करने अथवा ब्लैकमेल करने वालों से हमारा कोई वास्ता नहीं
2. यहां नौकरी नहीं दी जाती है, यदि हमारे संस्था के नाम का गलत इस्तेमाल करता है, तो हमारे द्वारा जारी नंबर पर शिकायत जरूर करें।

प्रसार/प्रबंध
सम्पादक
भारत सम्मान न्यूज नेटवर्क
094242 62547
09303890212

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS

संपादकीय

चुनाव में ध्रुवीकरण

मुस्लिम आरक्षण इस चुनाव में एक बड़ा मुद्दा बन गया है।। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित पूरी भाजपा कांग्रेस पर आरोप लगा रही है कि वह अनुसूचित जाति-जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्ग के आरक्षण हटाकर मुसलमान को देना चाहती है। कांग्रेस सहित समूचा विपक्ष और भाजपा विरोधी कह रहे हैं कि मोदी और भाजपा देश में हिन्दू मुस्लिम के नाम पर चुनाव में ध्रुवीकरण चाहते हैं, जो सरेआम सांप्रदायिककरण है। अगर चुनाव में किसी संप्रदाय पर हमला किया जाए या उसके विरुद्ध दूसरे संप्रदाय को भड़काया जाए तो यह सांप्रदायिकता की श्रेणी में आएगा और इसके लिए चुनाव कानून ही नहीं सामान्य कानूनों में भी मुकदमा चलाने तथा सजा देने का प्रावधान है। प्रश्न है कि क्या प्रधानमंत्री ने जो आरोप लगाया उसे चुनाव को सांप्रदायिक रंग देने का षड्यंत्र मान लिया जाए या उसके पीछे तथ्य भी हैं? कांग्रेस के नेता और प्रवक्ता प्रधानमंत्री पर हमले कर रहे हैं किंतु यह कहने को तैयार नहीं है कि वह मुसलमानों को आरक्षण देने के पक्ष में नहीं है। कांग्रेस यह भी स्पष्ट नहीं करती कि वह धर्म के आधार पर आरक्षण के विरुद्ध है। कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में आरक्षण की सीमा बढ़ाने का वचन देते हुए यह सुनिश्चित करने की घोषणा करती है कि अल्पसंख्यकों को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सार्वजनिक रोजगार, सार्वजनिक कार्य अनुबंध, कौशल विकास, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में बिना किसी भेदभाव के अवसरों का उचित हिस्सा मिले तो इसलिए मंशा पर प्रश्न उठता है क्योंकि इसकी पृष्ठभूमि है। कांग्रेस सरकारों ने पहले भी मुसलमानों को आरक्षण देने की पहल की है। चूंकि धर्म के आधार पर आरक्षण मान्य नहीं था, इसलिए अन्य पिछड़े वर्ग के आरक्षण में से ही कर्नाटक में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण दिया गया। केंद्र में यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान आंध्र प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने मुसलमानों को आरक्षण देने का कानून बना दिया। यह विषय सर्वोच्च अदालत तक गया। आज भी अनुसूचित जनजाति से धर्म परिवर्तन कर मुसलमान या ईसाई बनने वालों को आरक्षण का लाभ मिलता है। वे अल्पसंख्यक होने का भी लाभ पाते हैं और अनुसूचित जनजाति का भी। कांग्रेस यह तो कह रही है कि इसमें मुस्लिम शब्द कहीं नहीं है पर अल्पसंख्यक का अर्थ क्या है? प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 9 दिसम्बर 2006 को राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक के भाषण में कहा कि 'मेरा मानना है कि हमारी सामूहिक प्राथमिकताएं कृषि, सिंचाई, जल संसाधन, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण बुनियादी ढांचे में निवेश के साथ ही एससी/एसटी, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और बच्चों का उत्थान है। हमें ऐसी नई योजनाएं बनानी होंगी, जिनसे अल्पसंख्यकों खासकर मुस्लिमों को विकास में समान भागीदारी मिल सके। देश के संसाधनों पर उनका पहला हक होना चाहिए।' 2014 लोक सभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने से ठीक एक दिन पहले मनमोहन सरकार ने 5 मार्च 2014 को दिल्ली की 123 प्रमुख संपत्तियों को दिल्ली वक्फ बोर्ड के हवाले कर दिया। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने 27 फरवरी, 2014 को राष्ट्रीय राजधानी में इन प्रमुख संपत्तियों पर दावा किया था। अनेक उदाहरण मिलेंगे जिनसे साबित होगा कि मनमोहन सरकार ऐसी मुस्लिम संस्थाओं, संगठनों और व्यक्तियों के पूरी तरह प्रभाव में था। यह आदेश सरकार ने उचित मुआवजे का अधिकार और भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2013 के तहत मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए किया। तो क्या यह संशोधित अधिनियम ऐसे ही कार्यों को ध्यान में रखते हुए पारित हुआ था? नरेन्द्र मोदी सरकार के आने के बाद इन संपत्तियों को मुक्त कराया गया और उसके लिए भी न्यायालय में संघर्ष करना पड़ा। जिस तरह तेलंगाना एवं कर्नाटक में कांग्रेस को मुस्लिम समुदाय का वोट मिला उससे उसको लगता है कि ऐसी नीतियों पर आगे बढ़ने से उसका खोया जनाधार वापस आ सकता है। इसलिए राहुल गांधी और उनके नेतृत्व में पूरी कांग्रेस यह साबित करने में लगी है कि मुसलमान के हितों के प्रति वह पूरी तरह समर्पित है या उसके लिए किसी सीमा तक जाने को तैयार है। ध्यान रखिए, पिछड़े वर्ग एवं अनुसूचित जाति व अनुसूचित जन जाति को आरक्षण पहले से प्राप्त है, नरेन्द्र मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 फीसद आरक्षण का प्रावधान कर दिया है। तो आप आरक्षण की सीमा को बढ़ाना किसके लिए चाहते हैं? अपने भाषणों और वक्तव्यों में राहुल गांधी सहित ज्यादातर नेता अनुसूचित जाति-जनजाति व पिछड़े वर्ग के साथ ही अल्पसंख्यकों और मुसलमानों के उत्थान की बात करते हैं। आखिर अनुसूचित जाति-जनजाति जाति और पिछड़े वर्ग के साथ मुसलमान को क्लब कैसे किया जा सकता है? मुसलमानों ने देश में लंबे समय तक शासन किया और इस कारण वे विशेषाधिकार वर्ग में आते हैं। मोदी सरकार में ही सरकारी नौकरियों में मुसलमानों की संख्या 2014 के मुकाबले दोगुनी से ज्यादा हुई है। किंतु हमारे यहां जाति व्यवस्था में हाशिए पर रहे समूहों के कारण आरक्षण का प्रावधान संविधान में लाया गया। इसमें धर्म के आधार पर आरक्षण की कोई व्यवस्था न थी और न हो सकती है। ऐसी अवस्था में निश्चित रूप से अन्य पिछड़े वर्ग का हक मार कर ही कांग्रेस या आईएनडीआईए के अन्य दल उन्हें आरक्षण दे सकते हैं। पश्चिम बंगाल से इसके संदर्भ में एक डराने वाला आंकड़ा आया है। इस समय वहां 179 जातियां अन्य पिछड़े वर्ग में शामिल हैं, जिनमें 118 मुस्लिम हैं और हिंदू सिर्फ 61। मोदी सरकार ने जब राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया तो उसने राज्यों को भी पिछड़े वर्ग की सूची में जातियों को शामिल करने का अधिकार दिया। ममता बनर्जी ने 71 जातियां शामिल की जिनमें 65 मुस्लिम थे। जब पिछड़ा वर्ग आयोग ने इसका कारण पूछा तो बताया गया कि पिछड़े हिन्दुओं ने धर्म परिवर्तन कर इस्लाम ग्रहण कर लिया। जब यह पूछा गया कि कहां-कहां ऐसा हुआ तो उत्तर आया कि इसकी जानकारी नहीं है। सरकारों ने ऐसे नियम और ढांचे बना दिया जिनसे राजस्थान, बंगाल, कर्नाटक सहित कई राज्यों में पिछड़े वर्ग के आरक्षण का ज्यादातर लाभ मुस्लिम समुदाय को मिल रहा है। इसके बाद क्या किसी संदेह की गुंजाइश रह जाती है?

लाखों के अफीम डोडा के साथ आरोपी गिरफ्तार, ओडिशा से राजस्थान ले जा रहा था खपाने

सरायपाली। वाहन चेकिंग के दौरान सिंघोड़ा पुलिस ने 19 लाख 4 हजार रुपए के 19 क्विंटल 4 किलो अफीम पोस्ट डोडा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक, आरोपी ट्रक में आलू की बोरियों में छिपाकर डोडा की तस्करी कर रहा था. ओडिशा से डोडा का परिवहन कर राजस्थान बाड़मेर में खपाने की तैयारी थी. यह मामला सिंघोड़ा थाना क्षेत्र का है.

पुलिस ने जगदीश चौधरी नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो बाडमेर राजस्थान का रहने वाला है. साथ ही ट्रक को भी जब्त किया है. बता दें कि ये तस्कर डोडा को ओडिशा से बाडमेर राजस्थान ले जा रहा था, जिसे महासमुंद के सिंघोड़ा पुलिस और सायबर सेल ने घेराबंदी कर पकड़ा. तस्कर ट्रक में आलू की बोरियों में छिपाकर इस

तस्करी को अंजाम दे रहा था. अब इस मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

बता दें कि डोडा अफीम ही है, जिसके पोस्त के सूखे फल के छिलके को डोडा कहते हैं. इसे पानी में भिगोकर शेष रहे अफीम के निर्यास को घोलकर निकाल लिया जाता है. इसमें से मॉरफीन और कोडीन निकाले जाते हैं, जो दवाइयों में काम आते हैं. इसे नशे के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। पुलिस ने बताया कि वाहन की तलाशी लेने पर वाहन के डाला मे आलु बोरियो के नीचे 1904 किलोग्राम मादक पदार्थ अफीम पोस्त (डोडा) मिलने पर आरोपी के कब्जे से 1904 किलोग्राम किमती 1904000 रूपये (उन्नीस लाख चार हजार रूपये) के अवैध मादक पदार्थ अफीम पोस्त (डोडा) जप्त कर आरोपी के विरूध्द थाना सिंघोडा में अपराध धारा 18 बी नारकोटिक एक्ट के तहत् कार्यवाही की जा रही है।

दिन भर की चुनावी ड्यूटी बाद जवानों के चेहरे पर खिली मुस्कान, जब एसपी ने अपने हाथों से परोसा खाना

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 के तृतीय चरण के मतदान में मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी का निर्वहन करने वाले डीआरजी और बस्तर टाइगर के जवानों का दिन यादगार बन गया. मतदान ड्यूटी बाद उन्हें एसपी भावना गुप्ता ने जहां सब्जी सर्व किया, वहीं एडीशनल एसपी ओम चंदेल ने गुलाब जामुन खिलाया।

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में कोंडागांव और नारायणपुर के जवानों को मतदान केंद्रों में भी तैनात किया गया था. ये जवान पहले ही प्रथम और द्वितीय चरण का मतदान नक्सल क्षेत्र में करा चुके थे, और वहां होने वाले नक्सल ऑपरेशन में भी शामिल रहे. लगभग सभी जवान डीआरजी या बस्तर फाइटर के थे, जिनमें महिला सुरक्षाकर्मी भी बहुतायत संख्या में शामिल रहीं। जवानों को मिला सरप्राईज जब एसपी जीपीएम भावना गुप्ता और एडीशनल एसपी ओम चंदेल समेत जिले के अधिकारी मतदान ड्यूटी बाद उन्हें रिसीव करने पहुंचे. जवानों का स्वागत करने के बाद उनके लिए बुफे का आयोजन किया गया. इस दौरान एसपी भावना गुप्ता सब्जी सर्व करती दिखीं, तो एडीशनल एसपी ओम चंदेल ने जवानों को गुलाबजामुन खिलाया। अधिकारियों के इस आत्मीयता भरे व्यवहार और भोजन व्यवस्था से जवानों के चेहरे खिल उठे. एसपी ने उनका हाल जाना और साथ खाना खाते हुए उनकी ट्रेनिंग और नक्सल क्षेत्र में काम करने के अनुभव सुने. छत्तीसगढ़ में अब निर्वाचन संपन्न हो गए हैं, और चुनाव ड्यूटी में लगे जवान वापस नक्सल ऑपरेशन के लिए अपने मूल इकाई वापस हो जाएंगे।

सीएम विष्णुदेव साय ने सोनिया गांधी के बयान पर किया पलटवार

कहा- इनके पास कोई मुद्दा नहीं, चुनाव में कांग्रेस की होने वाली है और दुर्गति

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ओडिशा दौरे के लिए रवाना हो गए हैं. रवानगी से पहले सीएम साय ने पुलिस ग्राउंड में पत्रकारों से चर्चा की. उन्होंने कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के बयान पर पलटवार किया. उन्होंने कहा कि इनके पास कोई मुद्दा नहीं है. इस बार के चुनाव में कांग्रेस की और दुर्गति होने वाली है. इसके साथ ही दिग्विजय सिंह के ईवीएम पर उठाए गए सवाल पर भी जवाब दिया है। सीएम विष्णुदेव साय ने तीसरे चरण के हुए चुनाव पर कहा कि लोकतंत्र के महापर्व का छत्तीसगढ़ में समापन हो गया है. अच्छा मतदान हुआ है. जिस तरह से हमने पूरे प्रदेश का दौरा किया है. विश्वास के साथ कह सकते हैं कि पूरी सीट हमारी पार्टी जीत रही है. सब तरफ से हमने फीडबैक लिया है। सोनिया गांधी के बेरोजगारी समेत अन्य मुद्दे उठाए जाने पर सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि इनके पास कोई मुद्दा नहीं है. घूम फिर कर उसी में आ जा जाते हैं. इस बार के चुनाव में कांग्रेस की और दुर्गति होने वाली है। कांग्रेस वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने ईवीएम पर जताई गई आपत्ति पर सीएम साय ने कहा कि जब जब हारते है इवीएम पर ठीकरा फोड़ते हैं और जब जीतते हैं तो सवाल नहीं करते हैं।

पूर्व सीएम बघेल ने किया ओडिशा में प्रचार, कांग्रेस प्रत्याशी सप्तगिरि उल्का के रोड शो में हुए शामिल

कहा- देश में बनने जा रही इंडिया गठबंधन की सरकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के लिए सभी 11 सीटों पर वोटिंग पूरी हो गई है. मतदान समाप्त होते ही छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ओडिशा के चुनावी रण में उतर गए हैं. आज उन्होंने उड़ीसा के काशीपुर में कोरापुट लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी एवं छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सह-प्रभारी सप्तगिरी शंकर उल्का के लिए 'रोड-शो' कर वोटिंग अपील क।.

कोरापुट लोकसभा क्षेत्र में आज कांग्रेस के रोड शो के दौरान भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और आम लोगों की भीड़ उमड़ी थी. इस दौरान उन्होंने दावा करते हुए कहा कि देशभर में कांग्रेस के

न्याय की लहर चल रही है और 4 जून को देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है. बता दें कि ओडिशा में 21 संसद सदस्यों को चुनने के लिए 4 चरणों में 13 मई 2024 से 1 जून 2024 तक मतदान होगा. पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में बीजेडी ने 12, बीजेपी ने 8 और कांग्रेस ने 1 सीट जीती थी।

ओडिशा के बाद यूपी में राहुल के मोर्चा संभालेंगे भूपेश

गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा सीट का पर्यवेक्षक भी नियुक्त किया है. माना जा रहा है कि भूपेश बघेल रायबरेली की चुनावी रणनीति के लिए जल्दी उत्तर प्रदेश और लखनऊ का दौरा करेंगे. आपको बता दें कि इस बार रायबरेली से लोकसभा सीट से राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं. उसके लिए रणनीति बनाने की जिम्मेदारी भूपेश बघेल को दी गई है।

भाजपा ने विकसित भारत के विजन पर चुनाव लड़ा, कांग्रेस नेताओं ने झूठ और बदजुबानी को बनाया हथियारः सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों पर मतदान संपन्न होने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस नेताओं के चुनावी अभियान पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि भाजपा का पूरा चुनाव अभियान 'विकसित भारत' के विजन को लेकर था. वहीं मुद्दा विहीन कांग्रेस ने सिर्फ झूठ और बदजुबानी को ही अपना ध्येय बना लिया था. उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेसी कितना भी कीचड़ फैलाएं, कमल ही खिलेगा.

सीएम साय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है कि, जहां भाजपा का पूरा चुनाव अभियान 'विकसित भारत' के विजन को लेकर था, वहीं मुद्दा विहीन कांग्रेस विशेष कर भूपेश बघेल, चरणदास महंत जैसे नेताओं ने सिर्फ झूठ और बदजुबानी को ही अपना ध्येय बना लिया था। मुख्यमंत्री ने आगे लिखा, इन लोगों ने संविधान और आरक्षण पर लगातार भ्रम फैलाने की कोशिश की, लगातार फर्जी वीडियो वायरल किया, यहां तक कि 'मोदी की गारंटी' के तहत हमारी सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बंद होने की झूठी अफवाहें भी ये फैलाते रहे. उनके नफरत का यह हाल रहा कि हम आदिवासियों के खान-पान तक का उपहास करने जैसी नस्लीय टिप्पणी तक करने से बाज नहीं आए. संतोष की बात यह है कि जितना ये कीचड़ फैलाते गये, कमल उतना ही खिलता गया. प्रदेश की जनता-जनार्दन हर ऐसे कृत्य का जवाब देती रही. देश में तीन सात में से तीन चरण और छत्तीसगढ़ में सभी सीटों पर मतदान पूर्ण होने के बाद तीन बात पूरी तरह स्पष्ट है। एक - यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। दूसरा - छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशी भारी अंतर से विजयी होंगे। तीसरा -भरोसे के संकट से पहले से ही जूझ रही कांग्रेस की विश्वसनीयता शून्य हो जाएगी. जय लोकतंत्र. गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में सभी 11 लोकसभा सीटों के लिए मतदान संपन्न हो चुका है. जिसके नतीजे 4 जून को जारी होंगे. सीएम साय ने प्रदेश की सभी ग्यारह सीटें जीतने का दावा किया है।

हैदराबाद में हुई दुर्घटना पर सीएम साय ने जताया दुःख

रायपुर। हैदराबाद के बाचूपल्ली इलाके में निर्माणाधीन इमारत गिरने से जांजगीर-चांपा जिले के 3 लोगों सहित ओडिशा के 7 लोगों के निधन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर उन्होंने लिखा है कि हैदराबाद के बाचूपल्ली इलाके में भारी बारिश के चलते निर्माणाधीन इमारत के गिरने से जांजगीर-चांपा जिले के 3 लोगों सहित ओडिशा के 7 मजदूरों के निधन की दुःखद खबर प्राप्त हुई। ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति और उनके परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। दुःख की इस घड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार उनके साथ खड़ी है। जांजगीर-चांपा जिला प्रशासन को हैदराबाद के स्थानीय प्रशासन से सामंजस्य बनाते हुए मृतकों के परिजनों के बारे में जानकारी जुटाकर, आवश्यक सहायता देने के निर्देश दे दिए हैं। गौरतलब है कि मंगलवार की रात हैदराबाद के बाचूपल्ली इलाके में भारी बारिश के चलते निर्माणाधीन इमारत के गिर जाने से जांजगीर-चांपा जिले के नवापारा के रहने वाले श्रमिक राम यादव, उसकी पत्नी गीताबाई और उसके 4 साल के पुत्र हिमांशु की मौत हो गई। इसके अलावा ओडिशा के भी 4 मजदूरों की मौत की भी खबर मिली है।

तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गए थे पति-पत्नी, भालू के हमले से दोनों घायल

खैरागढ़। गर्मी का मौसम आते ही वन विभाग तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य शुरू करता है, जिसमे बड़ी संख्या में वनांचल में रहने वाले ग्रामीण भी विभाग का सहयोग करते हैं. वहीं गर्मियो में वन्य प्राणी पानी और भोजन की तलाश में जंगल में इधर उधर भटकते हैं. ऐसे समय में ग्रामीणों और वन्य प्राणियों का आमना सामना भी होता रहता है. ताज़ा मामला खैरागढ़ जिले के ग्राम देवरी से सामने आया है, जहां तेंदूपत्ता तोड़ने गए यादव दंपत्ति पर भालू ने हमला कर दिया. इस हमले में महिला के पैर में गंभीर चोटे आई है. महिला को बचाने गए उसके पति पर भी भालू ने हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में दोनों को ग्रामीणों की सहायता से बचाया गया और दोनों घायलों को सिविल अस्पताल खैरागढ़ लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है. पीड़ित नरेंद्र यादव ने बताया कि वे तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गए हुए थे. सुबह अचानक उनकी पत्नी पर भालू ने हमला कर दिया, जिसे बचाने वे भालू से भीड़ गए. इस दौरान दोनों पति पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। पूरे मामले में खैरागढ़ एसडीओ मोना माहेश्वरी ने बताया कि तेंदूपत्ता तोड़ने के दौरान दो ग्रामीण भालू के हमले से घायल हुए हैं, जिसका इलाज सरकारी अस्पताल में चल रहा है. वन विभाग ने जनहानी का प्रकरण बनाकर भेज दिया है. वहीं लगातार इस प्रकार की घटना होने के सवाल पर एसडीओ ने बताया कि पहले की अपेक्षा इस तरह की घटनाओं में कमी आई है. जंगल में पानी की व्यवस्था हमने बढ़ाई है, लेकिन जंगली जानवर भटक कर इस तरफ आ जाते है. इसे देखते हुए उनके प्राकृतिक रहवास का क्षेत्रफल भी बढ़ाया जा रहा है।

पति-पत्नी और वोः गैर औरत से इश्क लड़ाता था पति, विरोध करने पर बीबी को उतारा मौत के घाट

सूरजपुर। जिले में एक नवविवाहिता की मौत के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है. नवविवाहिता की हत्या करने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका पति ही है. आरोपी पति का किसी दूसरी महिला से अफेयर चल रहा था, जिसको लेकर पति-पत्नी के बीच अनबन होता था. वहीं एक दिन दोनों के बीच विवाद ज्यादा बढ़ा और दुपट्टे से मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी. यह मामला झिलमिली थाना के करौंदामुड़ा गांव का है।

जानकारी के अनुसार, करौंदामुड़ा का रहने वाला मुजुबिल अपने ससुराल फोन करता है कि आपकी लड़की की तबियत ज्यादा खराब हो गई है. उसे हॉस्पिटल लेके जा रहा हूं. कुछ देर में फिर फोन करके बोलता है कि हार्ट अटैक आया है जब लड़की के घर वाले पहुंचते है तो देखते हैं कि लड़की का पूरा शरीर ठंडा हो गया है और उसकी मौत हो चुकी है. इसके साथ ही मृतिका के गले में निशान भी दिखे. जिसके बादघरवालों ने इसकी जानकारी झिलमिली थाने में जाकर दी. जिसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची और तहसीलदार के सामने पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए शव को भेज दिया गया। मामले में मृतिका के परिजनों ने बेटी की हत्या करने का ससुराल वालों पर आरोप लगाया और गिरफ्तारी की मांग की. मृतिका के घर वाले मांग पर अड़ गए की जब तक गिरफ्तारी नहीं होती शव को दफन नहीं करेंगे. जिसके बाद झिलमिली पुलिस मृत नवविवाहिता के पति को पकड़ कर पूछताछ करती है. पूछताछ में पति गुनाह कबूल करते हुए बताया कि दुपट्टे से मुंह दबाकर हत्या किया है. आरोपी पति का अफेयर किसी से चल रहा था, इसको लेकर दोनों के बीच अनबन होता रहता था. इसी को लेकर दोनों के बीच विवाद ज्यादा बढ़ने पर रात में दुपट्टे से पति ने उसकी हत्या कर दी. मामले में पुलिस ने आरोपी पति मुजीबुल रहमान को गिरफ्तार कर लिया है और जेल भेज दिया है।

कलेक्टर ने मतदान दलों का माला पहनाकर और मुंह मीठा कराकर किया स्वागत

कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में रखा गया ईवीएम

बलौदाबाजार। लोकसभा चुनाव 2024 बलौदाबाजार जिले में सुव्यवस्थित और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो गया. मतदान संपन्न कराकर लौटे मतदान दलों का कलेक्टर सहित प्रशासन के अधिकारियों ने मतदान सामग्री वितरण केंद्र में फुल देकर, माला पहना और मुंह मीठा कराकर स्वागत किया।

लोकसभा चुनाव के तीसरा चरण का मतदान मंगलवार शाम छह बजे समाप्त हुआ. इसके बाद मतदान दलों के लौटने का सिलसिला प्रारंभ हुआ जो देर रात तक चलता रहा. वहीं पहली बार मतदान दलों को एक अच्छी व्यवस्था जिला प्रशासन ने दिया, सभी मतदान दल प्रशंसा कर रहे हैं. मतदान कराकर लौटने पर स्वागत किया गया, मिठाई खिलायी गई और छाछ भी पिलाया गया. मतदान दल की महिलाओं ने बताया कि वे पहले भी मतदान संपन्न कराये है पर इस बार बहुत अच्छी व्यवस्था रही. जिसके लिए उन्होंने प्रशासन को धन्यवाद दिया है. वहीं अब ईवीएम को कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में रखा गया।

कलेक्टर के एल चौहान ने बताया कि मतदान का अंतिम प्रतिशत अभी नहीं आया है. फिर भी जनता ने बहुत अच्छे से लोकतंत्र के इस पर्व में भाग लिया. मतदान के दौरान कुछ जगह तकनीकी दिक्कत आई पर हमारी टीम ने तत्काल ठीक कर लिया. जिले के 1009 मतदान केंद्रों में मतदान संपन्न हुआ है. कलेक्टर ने मतदान संपन्न कराने में लगे सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और पुलिस प्रशासन को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया है. जिनके सहयोग से सुव्यवस्थित और सुरक्षित तरीके से मतदान संपन्न हो गया।

युवक से मारपीट

रायपुर। सामुदायिक भवन के पास कुकुरबेड़ा में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक ने दूसरे युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर सरस्वती नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी दीपक पांडे 27 वर्ष सामुदायिक भवन के पास कुकुरबेड़ा का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी शंकर साहू ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर सरस्वती नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

शहरी क्षेत्र में कम मतदान की उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताई वजह

कहा- एक तो मतदाता सूची का फिर से मदर रोल बनाए जाने की जरूरत

रायपुर। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में शहरी क्षेत्र में हुए कम मतदान को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि इसके दो कारण हो सकते हैं. पहला तो अभी हमारे मतदाता सूची के मदर रोल को फिर से बनाने की आवश्यकता है. दूसरा कारण गांव में गांव में मतदान उत्सव की जैसा होता है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि शहरी क्षेत्र में बहुत सारे लोगों का आना होता है. मतदाता सूची में नाम जुड़ना और उनका वापस जाना हो जाता है. मतदाता सूची से नाम नहीं कटा होता है, इसलिए कुल मिलाकर मतदान कम दिखता है. वहीं दूसरा कारण गांव में गांव में मतदान उत्सव की जैसा होता है. सब लोग मिलकर इस काम को करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का मतदान वह आशा के अनुरूप हुआ है. मोदी जी को वोट देने के लिए माता-बहनों ने आगे आकर

के मतदान किया है. छत्तीसगढ़ में 11 की 11 सीट बीजेपी जीतेगी. पिछली बार से वोटिंग प्रतिशत बढ़ा है. 70त्न से अधिक पूरे छत्तीसगढ़ का एवरेज मतदान है। कांग्रेस रायपुर लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय द्वारा निर्वाचन अधिकारीयो पर बीजेपी के पक्ष में मत करवाने के आरोप पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आरोप लगा देना एक अलग बात है. भाजपा की तीन बात की सरकार थी, तब उनकी सरकार आई थी, तब तो उन्होंने आरोप नहीं लगाया. अब उनकी सरकार नहीं है, तो आरोप लगना शुरू कर दिया. तब आरोप लगाते कि हमारे पक्ष में मतदान करवाया गया, इसलिए हमारी सरकार बन गई। तृतीय चरण के मतदान के बाद बीजेपी नेताओं के ओडिसा दौरे पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भाजपा के सभी कार्यकर्ता विभिन्न प्रदेशों में पार्टी की सेवा लिए गए हैं. पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं के सहयोग के लिए हम सब जाएंगे, आने वाले एक-दो दिनों में सभी की योजना बनाई जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अन्य राज्यों के दौरे पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पिछली बार भी यूपी में 'का बा' चला था. भूपेश बघेल गए थे, तो यूपी में 'दो बा' हुआ था. इस बार भी यदि यूपी जा रहे हैं तो भाजपा के लिए शगुन होने वाला है, उनकी जो छवि के साथ जा रहे हैं उसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मतदान के बाद बीजेपी के 400 पार के दावे पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि 300 सीटों में मतदान के आधार पर बड़ी संख्या में भाजपा के पक्ष में होने वाली है. दूसरे चरण के मतदान के बाद लगभग 100 सीट भाजपा के पक्ष में आएंगे. कल पार्टी कार्यालय में सर्वे किया गया. अच्छी संख्या के साथ भाजपा का एनडीए 400 पार जाने वाला है।

छत्तीसगढ़ की सात सीटों पर 71.98 प्रतिशत हुआ मतदान

चुनाव आयोग ने जारी किया फाइनल आंकड़ा

रायगढ़ लोकसभा में 78.85 प्रतिशत और सबसे कम बिलासपुर लोकसभा में 64.77 प्रतिशत मतदान

रायपुर। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में छत्तीसगढ़ की सात सीटों पर शांतिपूर्ण चुनाव हुआ. मतदान के बाद सभी मतदान दल भी वापस लौट आए हैं. ईवीएम और वीवीपैट मशीनें स्ट्रांग रूप में जमा हो गई है. वहीं चुनाव आयोग ने छत्तीसगढ़ में तीसरे चरण के मतदान प्रतिशत का अंतिम आंकड़ा जारी किया है. इसके मुताबिक, छत्तीसगढ़ की 7 सीटों पर 71.98 प्रतिशत मतदान हुआ है. सबसे ज्यादा रायगढ़ लोकसभा में 78.85 प्रतिशत और सबसे कम बिलासपुर लोकसभा में 64.77 प्रतिशत मतदान हुआ है।

जानिए कहां कितना प्रतिशत हुआ मतदान

जानिए कहां कितना प्रतिशत हुआ मतदान
बिलासपुर लोकसभा में 64.77 प्रतिशत मतदान
दुर्ग लोकसभा में 73.68 प्रतिशत मतदान
जांजगीर लोकसभा में 67.56 प्रतिशत मतदान
कोरबा लोकसभा में 75.63 प्रतिशत मतदान
रायगढ़ लोकसभा में 78.85 प्रतिशत मतदान
रायपुर लोकसभा में 66.82 प्रतिशत मतदान
सरगुजा लोकसभा में 79.89 प्रतिशत मतदान

शार्टेज वाले धान खरीदी केंद्रों से वसूली के लिए सहकारिता विभाग जारी किया

गरियाबंद। आखिर वह दिन आ ही गया. 500 बोरे से ज्यादा शार्टेज वाले खरीदी केंद्रों में अंतर की मात्रा की वसूली के लिए कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य अधिकारी ने सहकारिता विभाग को पत्र जारी किया है. राजनीतिक रसूख की खातिर खोले गए खरीदी केंद्रों में ज्यादा गड़बड़ियां पाई गई हैं।

कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देश पर जिला खाद्य अधिकारी सुधीर गुरु ने आज सहकारिता विभाग के सहायक पंजीयक, नोडल अधिकारी ने नाम पत्र जारी कर तीन खरीदी केंद्रों को धान शोर्टेज की मात्रा वसूलने पत्र जारी किया है. खाद्य शाखा से 07/05 को जारी पत्र के मुताबिक, खरीदी केंद्र चिचिया में 421.05 क्विं. (1052 बोरा), घुमरगुड़ा में 739.03 क्विं. (1847 बोरा) व लाटा पारा में 176.80 क्विं. (442 बोरा) की कमी पाने का हवाला देकर वसूली का निर्देश दिया गया है।

15 केंद्रों में वसूली की संभावना

जिला खाद्य अधिकारी सुधीर गुरु ने कहा कि नए निर्देश के मुताबिक, 500 बोरा धान की कमी सीपेज के तहत मान्य है. वर्तमान में 500 बोरा से ज्यादा कमी वाले केंद्रों का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है. लगभग 15 खदीरी केंद्रों में मानक से ज्यादा कमी है. सत्यापन रिपोर्ट के बाद सभी से वसूली हेतु पत्र जारी किया जाएगा.

राजनीतिक रसूख के लिए खोले केंद्र

कांग्रेस शासन काल के अंतिम ढाई साल में जिले में 30 नए खरीद केंद्र खोल दिए गए. इनमें से ज्यादातर केवल राजनीतिक फायदे के लिए खोले गए. आज जारी तीनों खरीदी केंद्र में दो चिचिया और घुमरगुडा के अलावा बारबहली केंद्र निर्धारित मापदंड में नहीं आते. अधिकतम शार्टेज वाले संभावित 15 केंद्रों में से ज्यादातर खरीदी केंद्र हैं. इन केंद्रों में किसानों की आड़ में गिने-चुने लोगों का दबदबा चलता है. धान खरीदी से लेकर परिवहन तक के भारी धांधली होती है. अतरिक्त केंद्र खोलने से समितियों का संचालन व्यय भी बढ़ा हुआ है. धान खरीदी में धांधली रोकने नए केंद्रों की समीक्षा जरूरी है.

धीरे-धीरे खुल रही कलई

खरीदी के दरम्यान और खरीदी के बाद सहकारिता विभाग ने अपने भौतिक सत्यापन रिपोर्ट में आल इज वेल बता कर क्लीन चिट दे दिया था. लेकिन जैसे-जैसे धान का उठाव होता गया, अन्य विभाग से सत्यापन होना शुरू हुआ तो सहकारिता विभाग के दावे की कलई खुलते गई. क्रॉस चेकिंग में मिल रहे शार्टेज के चौकाने वाली रिपोर्ट के बावजूद सहकारिता विभाग अपने दावे पर अड़ा हुआ है. बता दे कि विभाग के अड़ियल रवैए से नाराज कलेक्टर ने पहले तो इन्हें दी जाने वाली इंसेटिव व्यय राशि पर रोक लगाने शासन को पत्र लिखा, उसके बाद अब नोडल को हटाने का दूसरा पत्र जारी कर चुके हैं.

युवक ने जीभ काटकर भगवान को चढ़ाया, पहले मंत्र पढ़ा फिर किया कांड

दुर्ग। जिले के अंजोरा चौकी क्षेत्र में एक युवक ने अपनी जीभ काट ली. वहीं पुलिस अंधविश्वास का मामला मानकर मामले की जांच कर रही है. यह घटना थनौद की है। मिली जानकारी के मुताबिक, आज सुबह गांव के तालाब के पास अचानक एक 33 वर्षीय युवक राजेश्वर निषाद ने अपना जीभ काटकर एक पत्थर के पास रख दिया. गांव वालों ने उसे लहूलुहान हालत में देखकर तत्काल 108 को सूचना दी. सूचना मिलते ही 108 की टीम मौके पर पहुंचकर उसे इलाज के लिए जिला अस्साल दुर्ग ले गया. अंजोरा चौकी प्रभारी राम नारायण ध्रुव ने बताया कि राजेश्वर आज सुबह 8 बजे अपने घर से निकलकर तालाब आया. यहां एक पत्थर के पास बैठकर कुछ मंत्र पढ़ा. उसके बाद उसने अचानक अपना जीभ काटकर पत्थर के पास रख दिया. एसआई ने बताया कि राजेश्वर जिस चाकू से जीभ काटा है वह चाकू खुद अपने साथ लाया था. ग्रामीणों ने बताया कि राजेश्वर शंकर भगवान की पूजा करता था. शिव जी को भेंट करने के लिए उसने अपना जीभ काटा है. राजेश्वर शादीशुदा है. उसकी पत्नी गूंगी है और उसके तीन बच्चे हैं. पुलिस ने मौके से चाकू बरामद कर लिया है और इस घटना को अंधविश्वास मानकर मामले की जांच कर रही है. जीभ कटने की वजह से राजेश्वर का बयान नहीं हो पाया है।

शराब कारोबारी पप्पू ढिल्लन के घर फिर से पड़ा छापा

कोर्ट ने पप्पू ढिल्लन को 16 मई तक न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के कथित आबकारी घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू की टीम ने एक बार फिर से शराब कारोबारी पप्पू ढिल्लन के घर पर छापेमारी की है. ईओडब्ल्यू की टीम ने पप्पू ढिल्लन के भिलाई के नेहरू नगर निवास में दबिश दी है। ढिल्लन के घर ईओडब्ल्यू के 6 अधिकारी सुबह से छानबीन कर रहे थे। शराब घोटाला मामले में कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लन उर्फ पप्पू ढिल्लन को आज विशेष कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें 16 मई तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। बता दें कि एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीमें बुधवार सुबह करीब 4-5 गाड़ियों में भिलाई नेहरू नगर पहुंची थी और ढिल्लन व विजय भाटिया के घर छापेमारी की थी. बताया जा रहा है कि टीम पंचनामा कार्रवाई कर सील किए गए कमरों और अलमारी की तलाशी ले रही है. इसके बाद जो भी दस्तावेज या सबूत मिलेंगे, उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा. ये चौथी बार है जब पप्पू ढिल्लन के घर में एसीबी ने छापेमारी की है. इससे पहले ईडी की टीम भी यहां छापा मार चुकी है. बता दें कि कथित शराब घोटाले में अप्रैल माह में भी एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम कारोबारी के घर छानबीन की थी. मामले में अब अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर के बयान के बाद एक बार फिर से पप्पू ढिल्लन के घर ईओडब्ल्यू के अधिकारी पहुंचे हैं।

इंद्रावती टाइगर प्रोजेक्ट में दिखे 17 वनभैंसे, अब परखी जाएगी नस्ल की शुद्धता

बीजापुर। बीजापुर जिले के अंतर्गत आने वाले इंद्रावती टाइगर प्रोजेक्ट के महाराष्ट्र सीमा क्षेत्र से लगे सैंड्रा और माड़ के जंगलों में 17 वन भैंसों का झुंड देखा गया है. पहली बार इतनी बड़ी संख्या में दिखाई पड़े वन भैंसों के नस्ल की शुद्धता की जांच की जाएगी। छत्तीसगढ़ में इंद्रावती टाइगर प्रोजेक्ट में ही शुद्ध नस्ल के वन भैसे बचे हुए हैं, इसकी भी सीमा महाराष्ट्र और तेलंगाना राज्य से लगती है, ऐसे में प्रजाति और नस्ल शुद्ध है या नहीं इसके परीक्षण के लिए अब सीएनबी के साथ वन विभाग इन वन भैंसे की शुद्ध नस्ल का डीएनए परीक्षण के जरिए पता लगाएगा. इसके लिए हैदराबाद के सेंटर फॉर सेल्यूलर एंड मॉलेक्युलर बायोलॉजी लैब में इसके डीएनए की जांच कर अनुवांशिकी से संबंधित जानकारी जोड़ेंगे। सीसीएमबी लैब के विशेषज्ञ डॉक्टर संभाषी राव ने हाल ही में इंद्रावती टाइगर रिजर्व में छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना, महाराष्ट्र के वन अधिकारियों के साथ समन्वित बैठक में एक कार्ययोजना तैयार करने की बात कही है. बता दें कि प्रदेश में कुल 37 वन भैसे हैं, इनमें से 17 इंद्रावती टाइगर प्रोजेक्ट में पाए गए हैं. इनके सर्वाधिक शुद्ध नस्ल के होने का अनुमान है।

पति के प्राइवेट पार्ट को पत्नी ने दांतों से काटा, जख्मी पहुंचा अस्पताल

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. छोटी सी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ. दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्साई महिला ने अपने पति के प्राइवेट पार्ट को दांतों से काट दिया. इस घटना में जख्मी पति अस्पताल पहुंचकर इलाज कराया. वहीं मामले में पत्नी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराया. यह मामला डौंडीलोहारा के संजारी चौकी का है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम खेरथा बाजार चौकी संजारी का रहने वाला पुनीत राम सिन्हा 34 वर्ष मजदुरी का कार्य करता है. बीते 6 मई की दोपहर को वह घर में था. उसने अपनी पत्नी सरिता बाई जो सो रही थी उससे खाना मंगा तो पत्नी ने गुस्से में खुद निकाल कर खाने बोलने लगी. जिस बात पर विवाद बढ़ा और पत्नी ने पति को खूब गालियां देनी शुरू की और मना करने पर पत्नी ने पति के गुप्तांग को दांतों से काट दिया. जिससे उसके गुप्तांग से खून आने लगा. वहीं घटना को अंजाम देने के बाद पत्नी मौके से भाग गई. इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई. बहरहाल, मामले में पुलिस ने आरोपी पत्नी के खिलाफ डौंडीलोहारा थाने में धारा 294, 506, 323 के तहत मामला दर्ज कर लिया है.

अपना खुद का न्यूज पोर्टल बनवाएं
पूर्ण Registration के साथ
+91 9303890212

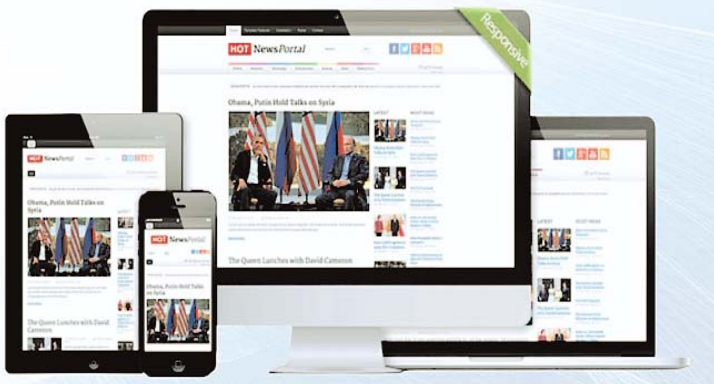

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक जितेन्द्र जायसवाल द्वारा जायसवाल प्रिंटिंग प्रेस राघवपुरी, डीगमा, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। संपादक जितेन्द्र जायसवाल। मो.नं.-09424262547